हम से रूठो ना बाबा

हम से रूठो ना बाबा मैं विनती करू हम है बालक भूल हो जाती है,
लाओ लगन राम की युही रोशन रहे हम तो मूरख है भूल हो जाती है,
हम से रूठो ना बाबा.....

बेसहारो के तुम को सहारा यहाँ सारे किस्मत के मारे ही आते यहाँ,
तुमतो दाता हो हम है भिखारी प्रभु इंसान है भूल हो जाती है,
हम से रूठो ना बाबा.....

मुझको मक्का मदीना मिला है याहा,
काशी मथुरी और सारे तीरथ याहा,
मैं लगाउ गा माथे बभूति वही तेरे चरणों की अगर धूल मिल जाती है,
हम से रूठो ना बाबा.....

यु न रूठो साई दो सहारा मुझे वार्ना दर पे तेरे दम निकल जायेगा,
यु न रूठो साई दी सहारा मुझे वरना दर पे तेरे दम निकल जायेगा,
मुझको चरणों से अपने जुदा मत करो भूल कर भी अगर भूल हो जाती है,
हम से रूठो ना बाबा.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4740/title/hum-se-rutho-na-baba-main-vinati-karu-hum-hai-balak-bhul-ho-jati-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |